पहले वर्ष की मेरिट पर मिलेगी स्कूटी

छात्राओं की पढ़ाई के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने फिर सीएम के सामने किया प्रस्तुतीकरण

अमर उजाला ब्यूरो

400 करोड़ की लागत से छात्राओं को दी जानी है स्कूटी

30 हजार से ज्यादा छात्राओं को दी जाएगी स्कूटी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नाराजगी के बाद उच्च शिक्षा विभाग की ओर से उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही छात्राओं को स्कूटी देने से जुड़ी प्रक्रिया गति पकड़ने लगी है। विभाग ने पहले साल की मेरिट के आधार पर छात्राओं को स्कूटी देने का प्रस्ताव तैयार किया है। ऐसा इसलिए ताकि छात्राएं आगे की पढ़ाई आसानी से पूरी कर सकें।

विभाग ने मंगलवार को सीएम के सामने इसका प्रस्तुतीकरण किया लेकिन अंतिम सहमति नहीं बनी। सीएम ने कुछ और डाटा के साथ प्रस्ताव पेश करने को कहा।

प्रदेश सरकार ने पिछले साल के बजट में 400 करोड़ का प्रावधान करते हुए उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली छात्राओं को स्कूटी देने की घोषणा की थी। इसके लिए रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना की घोषणा की थी। किंतु उच्च शिक्षा विभाग इस पर एक साल कोई काम नहीं कर सका। वर्तमान वित्तीय वर्ष के बजट में बजट प्रावधान करते हुए, योजना को जल्द प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

जल्द ही विभाग की ओर से इस प्रस्ताव को सीएम के सामने रखा जाएगा। वहां से हरी झंडी मिलने के बाद इसे लागू करने की आगे की औपचारिकता पूरी की जाएगी। विभाग की ओर से किए गए बजट प्रावधान के अनुसार लगभग 30 हजार छात्राओं को स्कूटी दी जा सकेगी।

तो उचित छात्राओं को मिल पाएगा प्रतिनिधित्व

प्रदेश के विवि व कॉलेजों में लगभग नौ लाख छात्राएं पढ़ रही हैं। इसमें से 30 हजार का चयन करना विभाग के लिए आसान नहीं होगा। मेरिट की जगह टेस्ट के माध्यम से भी छात्राओं का चयन किया जा सकता है। लेकिन उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी इससे इन्कार करते हैं, उनका कहना है कि हम सीएम के सामने अपना प्रस्ताव रखेंगे। अगर वहां से कोई और सुझाव या तरीका बताया जाता है तो उसके अनुसार काम करेंगे।

पूर्व कांग्रेस विधायक, दो पूर्व सीएमओ समेत, वीडीओ परीक्षा में धांधली करने